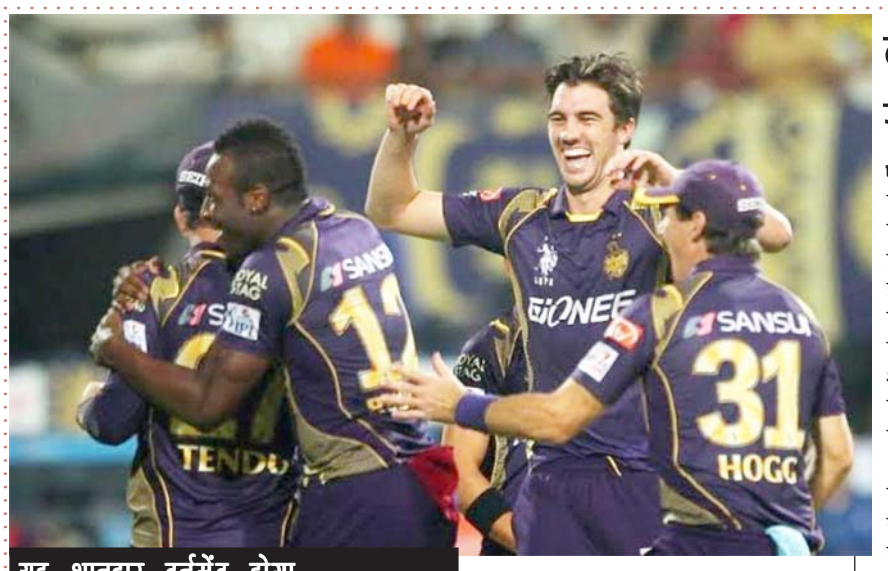

यह शानदार टूर्नमेंट होगा...

कमिंस ने कहा, 'प्रत्येक गेंद पर चाहे छक्का पड़े या विकेट मिले जो शोर उठता है, वहां जो माहौल बनता है उसी को देखकर हमें भारत में खेलना पसंद है।'
'अगर ऐसा नहीं होता तो इसकी कुछ कमी खलेगी, लेकिन अगर दर्शकों के बिना भी इसका आयोजन किया जाता है तो मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि यह शानदार टूर्नमेंट होगा।' इस ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने हालांकि कहा कि पहली प्राथमिकता लोगों का स्वास्थ्य और सुरक्षा होनी चाहिए।

बंद स्टेडियम में आईपीएल खेलने को तैयार हैं कमिंस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी पैट कमिंस ने कहा कि वह दर्शकों के बिना भी इस टी20 टूर्नमेंट में खेलने के इच्छुक हैं क्योंकि इससे कोविड–19 महामारी से परेशान दुनिया भर के लोगों में परिस्थितियां सामान्य होने की भावना पैदा होंगी। आईपीएल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 मार्च से मुंबई में शुरू होना था लेकिन विश्व भर में 95 हजार से अधिक लोगों की जान ले चुकी इस महामारी के कारण यह टी20 टूर्नमेंट 15 अप्रैल तक टाल दिया गया।
कमिंस से पूछा गया कि क्या वह बिना दर्शकों के मैचों का आयोजन करने का समर्थन करेंगे, उन्होंने बीबीसी से कहा, 'निश्चित तौर पर। मैं उस हर चीज का समर्थन करूंगा जिसमें इन बड़े टूर्नमेंट का सुरक्षित आयोजन संभव हो।' कमिंस को कोलकाता नाइटराइडर्स ने 15.5 करोड़ रुपये में खरीदा था जिससे वह लीग के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए थे। उन्हें उम्मीद है कि यह टूर्नमेंट होगा लेकिन अगर जल्द ही इसका आयोजन होता है तो उन्हें हैरानी होगी।

विराट कोहली में है सचिन तेंडुलकर जैसी इच्छा शक्ति

क्रिकेट

सचिन विराट दोनों को बड़े शतक बनाना है बेहद पसंद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि विराट कोहली की बड़े शतक जमाने के प्रति दृढ इच्छा सचिन तेंडुलकर जैसी है, जो अपने जमाने के सबसे संपूर्ण बल्लेबाज थे। क्लार्क ने कहा कि उन्हें याद नहीं आता कि जब वह खेला करते थे तब तेंडुलकर की तरह कोई दूसरा संपूर्ण बल्लेबाज था। उन्होंने कहा कि तेंडुलकर को आउट करना मुश्किल था और उनकी तकनीक में कोई खामी नहीं थी।

क्लार्क ने 'बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट' रेडियो शो में कहा, 'मैंने जितने बल्लेबाज देखे उनमें संभवतरू वह (तेंडुलकर) तकनीकी तौर पर सर्वश्रेष्ठ थे। उन्हें आउट करना

मेरे समय में तेंडुलकर सर्वश्रेष्ठ, वर्तमान में कोहली का जवाब नहीं: क्लार्क

बहुत मुश्किल था। उनकी कोई कमजोरी नहीं थी। आप केवल उम्मीद कर सकते थे कि वह गलती करें।'
इसके बाद उन्होंने भारतीय टीम के वर्तमान कप्तान कोहली की भी जमकर तारीफ की ओर उन्हें वर्तमान समय में सभी प्रारूपों का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार दिया। क्लार्क ने कहा, 'मुझे लगता है कि अभी वह सभी तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उनका वनडे और टी20 का रेकॉर्ड बेमिसाल है और उन्हें टेस्ट क्रिकेट में भी दबदबा बनाने का तरीका पता चल गया है।'
उन्होंने कहा, 'कोहली और तेंडुलकर में एक समानता है। दोनों को बड़े शतक बनाना पसंद रहा है।' तेंडुलकर दुनिया के एकमात्र क्रिकेटर हैं जिन्होंने 200 टेस्ट खेले और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाए हैं।

फ्लिंटॉफ के ओवर को पॉन्टिंग ने कहा, इससे अच्छा ओवर नहीं खेला

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग ने ऐंड्रू फ्लिंटॉफ के एक ओवर को अपने करियर का सबसे सर्वश्रेष्ठ ओवर करार दिया है। 2005 की एशेज सीरीज के एजबेस्ट टेस्ट में फ्लिंटॉफ ने पॉन्टिंग को काफी परेशान किया था। इस ओवर में पॉन्टिंग बिलकुल भी सहज नजर नहीं आ रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान को फ्लिंटॉफ ने ओवर की आखिरी गेंद पर आउट किया था। संयोग की बात यह है कि फ्लिंटॉफ ने उस ओवर में एक नो–बॉल फेंकी थी और इस लिहाज से वह ओवर की सातवीं गेंद हो गई थी। पॉन्टिंग ने इंग्लैंड क्रिकेट के ट्वीट पर जवाब दिया– एक क्लासिक रिवर्स स्विंग जिसकी रफ्तार 90 मील प्रति घंटे से ज्यादा थी।

पेड़ पर चढ़कर फोन करने को मजबूर हैं आईसीसी अंपायर अनिल चौधरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर जिन लोगों ने उन्हें बेहद शांतचित होकर चौके, छक्के और आउट का इशारा करते हुए देखा होगा, उन्हें आईसीसी पैनल के अंपायर अनिल चौधरी का कभी पेड़ पर तो कभी छत पर चढ़कर मोबाइल लहराते हुए नया रूप निश्चित तौर पर चौंकाने वाला लगेगा। भारत के शीर्ष क्रिकेट अंपायरों में शामिल चौधरी कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन के दिनों में अपने गांव में रहने के लिए मजबूर है जहां खराब नेटवर्क के कारण उनका खुले खेतों में भी 'गुगली' और 'बाउंसर' से सामना हो रहा है।

चौधरी को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच एकदिवसीय मैचों

में अंपायरिंग करनी थी लेकिन सीरीज बीच में ही रोक दिए जाने के कारण वह 16 मार्च को उत्तर प्रदेश के शामली जिले में स्थित अपने गांव डांगरोल आ गए थे।
चौधरी ने कहा, 'मैं 16 मार्च को अपने दोनों बेटों के साथ गांव आ गया था। मैं काफी दिनों बाद गांव आया था इसलिए मैंने एक सप्ताह यहां बिताने का फैसला किया लेकिन इसके बाद लॉकडाउन हो गया और मैं उसका पूरी तरह से पालन कर रहा हूं जबकि मेरी मां और पत्नी दिल्ली में हैं।'
अब तक 20 वनडे और 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग कर चुके चौधरी गांव में लोगों को सामाजिक दूरी बनाये रखने और कोविड–19 के प्रति जागरूक करने में लगे हैं लेकिन नेटवर्क की समस्या के कारण वह विभिन्न कार्यक्रमों में आनलाइन हिस्सा नहीं ले पा रहे हैं जिनमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की कार्यशालाएं भी शामिल हैं।
उन्होंने कहा, 'गांव में नेटवर्क सबसे बड़ा मसला है। हम किसी से बात तक नहीं कर सकते या नेट का इस्तेमाल नहीं कर सकते। इसके लिये उन्हें गांव से बाहर या किसी खास छत या पेड़ पर जाना होता है। वहां भी हमेशा नेटवर्क नहीं रहता है।'

ब्रिटेन के जॉन ग्रिफिन घर में 4 दिन में चढ़ गए एवरेस्ट, फूड बैंक के लिए जुटाए पैसे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चीन से फैले घातक कोरोना वायरस के कारण भारत के अलावा ब्रिटेन में भी लॉकडाउन घोषित है। लॉकडाउन का असर लोगों के जनजीवन पर भी पड़ा है और इसी में कई लोग जरूरतमंदों के लिए फंड इकट्ठा कर रहे हैं। ब्रिटेन के एक रनर जॉन ग्रिफिन ने अलग ही तरीका निकाला है और वह अपने घर में ही माउंट एवरेस्ट के बराबरी की ऊंचाई चढ़ गए। चौंकिए मत, ऐसा उन्होंने अपने घर में सीढ़ियों को चढ़कर किया। ग्रिफिन को इसमें 4 दिन लगे और वह अपने तीन मंजिला घर में 41 हजार कदम चले। वेस्ट ससेक्स में अपने घर में ग्रिफिन ने ऐसा किया। उनकी यह दूरी 8,850 मीटर (29,035 फीट) के बराबर रही जो दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रंखला माउंट एवरेस्ट के बराबर है।
ग्रिफिन ने अपनी इस कोशिश से एक संस्था ट्रसेल ट्रस्ट के लिए अब तक 3,500 पाउंड जुटाए हैं। यह संस्था 1200 से ज्यादा ब्रिटिश फूड बैंक को सपॉर्ट करती है। 53 वर्षीय रनर ने बताया कि कोरोना वायरस से महामारी फैलने के कारण लोग खाने की चोरी तक करने लगे थे जिसकेबाद उन्होंने फैसला किया कि वह फूड बैंक के लिए खाना जुटाएंगे।

न्यूज डायरी

इन हालात में 15 अप्रैल से आईपीएल का आयोजन संभव नहीं: राजीव शुक्ला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस (कोविड–19) महामारी के चलते देश के मौजूदा हालात को देखते हुए, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व चेयरमैन राजीव शुक्ला ने कहा है कि 15 अप्रैल के बाद भी इस लीग का 13वां सीजन करवा पाना असंभव है। आईपीएल पहले 29 मार्च को शुरू होना था लेकिन कोविड–19 के कारण उसे 15 अप्रैल तक टाल दिया गया है। शुक्ला ने गुरुवार को कहा, श्मुझे कोई तैयारी नजर नहीं आ रही। हमारी प्राथमिकता कोरोना वायरस से लड़ने और लोगों की जान बचाने की है। यह सरकार पर निर्भर करता है कि वह क्या फैसला लेती है। हम सरकार के फैसले के साथ जाएंगे। उन्होंने कहा, हमें सुनने में आ रहा है कि लॉकडाउन को बढ़ाया जा सकता है। इन हालात मे अगर आप सोचते हैं कि आईपीएल 15 अप्रैल के आसपास शुरू हो सकता है, तो यह संभव नहीं लगता।

लॉकडाउन में टेबल टेनिस प्लेयर जी साथियान का प्रैक्टिस पार्टनर बना रोबोट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नै। कोविड–19 महामारी का असर खेल जगत पर भी पड़ा है और स्टार खिलाड़ियों तक का प्रैक्टिस शेड्यूल गड़बड़ा गया है। ऐसे में भारत के नंबर–1 टेबल टेनिस प्लेयर जी साथियान ने अलग ही तरीका निकाला है। सोशल डिस्टैंसिंग के कारण बोर्ड पर उनका कोई पार्टनर तो नहीं है लेकिन एक रोबोट के साथ वह प्रैक्टिस कर रहे हैं। साथियान चेन्नै में अपने घर पर सुबह फिटनेस के लिए एक्सरसाइज करते हैं और फिर रोबोट के साथ प्रैक्टिस में जुट जाते हैं। यह रोबोट बटरफ्लाई एमिकस प्राइम है जो टेबल टेनिस खिलाड़ियों को ट्रेन करने के लिए डिजाइन किया गया है। साथियान ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, श्यह रोबोट मुझे हर दिन कड़ी मेहनत कराता है और मैं करीब डेढ़ घंटा इसके साथ प्रैक्टिस करता हूं।श यह पोर्टेबल रोबोट है जो एक मिनट में 120 बार बॉल डिलीवर करने की क्षमता रखता है। इसमें स्पिन, स्पीड और फ्रीक्वेंसी को भी बदल सकता है।

कोरोना के कारण आईएसएसएफ रनिंग टारगेट वर्ल्ड चौंपियनशिप स्थगित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। फ्रेंच निशानेबाजी महासंघ ने गुरूवार को आईएसएसएफ रनिंग टारगेट विश्व चौम्पियनशिप स्थगितत कर दी जो नौ से 19 जून तक वहां होनी थी। चीन से फैले घातक कोरोना वायरस के कारण ओलिंपिक समेत बड़े खेल इवेंट को फिलहाल स्थगित या रद्द कर दिया गया है। इसी वजह से रनिंग टारगेट वर्ल्ड चौंपियनशिप को भी स्थगित करना पड़ा है। फ्रेंच महासंघ ने बताया कि टूर्नमेंट को स्थगित करने का फैसला कोरोना वायरस महामारी के चलते लिया है। अब यह टूर्नमेंट अगले साल यानी 2021 में होगा। कोरोना महामारी के कारण निशानेबाजी के सारे निर्धारित टूर्नमेंट स्थगित कर दिए गए हैं। तोक्यो ओलिंपिक गेम्स को भी स्थगित किया गया है।

लॉकडाउन के कारण तीरंदाज तरुणदीप की तैयारियों पर नहीं लगा है ब्रेक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ओलिंपिक गेम्स की टीम और व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वॉलिफाइ कर चुके भारतीय आर्चर तरुणदीप राय इन दिनों पुणे स्थित आर्मी सेंटर में ही हैं। तरुणदीप लॉकडाउन की वजह से घर नहीं जा पाए लेकिन, वहां उन्हें तैयारी करने की छूट है और वह तोक्यो ओलिंपिक की तैयारी में जुटे हैं। उन्होंने कहा, 'पुणे के जिस आर्मी स्पोर्ट्स सेंटर में मैं अभी हूं उसके दो किलोमीटर एरिया में हम चार–पांच लोग ही हैं। मेरा प्रैक्टिस रेंज भी मेरे हॉस्टल के पास में ही है। इसलिए मैं लगातार प्रैक्टिस कर रहा हूं। यहां किसी को भी कैंपस में आने की अनुमति नहीं है और ना ही हमें बाहर निकलने दिया जा रहा है। ऐसे में मेरी प्रैक्टिस अच्छी चल रही है। कम से से कम जो घर पर प्रैक्टिस कर रहे हैं, उनसे तो अच्छा ही है। तरुणदीप ने बताया कि अभी दिखने में दुबले–पतले हैं। ऐसे में उनकी कोशिश यह भी है कि लॉकडाउन के दौरान अपनी बॉडी बना लें जिससे कि जब उनके साथी दोबारा मिलें तो उनके लिए यह सरप्राइज हो। इसके लिए वह घर में ही प्रैक्टिस कर रहे हैं।